



Jain Engineers Society News

For Social Cause

Society Registration No. -IND/5887/2001, dtd 20.02.2002

Year : 11 Edition : 12 Indore, 20 December 2012

Page : 4 Rs. : 12/- (Yearly)

JES THOUGHT : "HALF OF WORLD'S POPULATION IS UNSUCCESSFUL BECAUSE COURAGE DOES NOT PASSES THROUGH THEM ON TIME AND THEY FEEL FEARFUL. " --SWAMI VIVEKANANDA

जैनम ट्रेड फेयर 2013, इन्दौर में

द्वितीय जैनम ट्रेड फेयर 2013, दिनांक 15 से 18 फरवरी 2013 को इन्दौर में जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) एवं जैन इंजीनियर्स सोसायटी (जेस) के जेस के संयुक्त प्रयासों से आयोजित किया जावेगा। अन्तराष्ट्रीय स्तर का प्रथम जैनम ट्रेड फेयर दिसम्बर 2008 में आयोजित किया गया था। जिसकी सम्पूर्ण शहर एवं मध्य प्रदेश में सराहना हुई थी एवं करीब 3 लाख दर्शकों ने ट्रेड फेयर को देखा था।

ट्रेड फेयर में तीन हॉल जैन समाज के व्यापार व्यवसाय में संलग्न संस्थाओं के लिए बनाये जावेंगे जिसमें करीब 180 स्टाल लगाये जावेंगे। एक हॉल महिला उद्यमी व व्यवसायियों के लिए रिजर्व रखा जावेगा ताकि वहाँ जैन समाज की महिलाओं द्वारा उत्पादित उत्पाद दर्शाये जावेंगे, साथ ही विक्रय भी किया जावेगा। अन्य दो हॉलों में जैन समाज के विभिन्न व्यवसायिक उपक्रमों को दर्शाया जावेगा। उद्योग के लिए एक बड़ा हॉल तैयार किया जावेगा जहाँ जैन समाज के उद्योगपतियों व उद्यमियों द्वारा संचालित उद्योगों को दर्शाया जावेगा जिससे दर्शकों को मालुम हो कि इन्दौर में जैन समाज की क्या गतिविधियाँ हैं। साथ ही जैन पवेलियन में प्रदर्शनी लगाई जावेगी जिसमें इन्दौर में सेवारत संस्थाओं की सूची लगाई जावेगी जैसे शिक्षण संस्थाएँ (स्कूल/ कॉलेज), अस्पताल, न्यूज पेपर प्रेस, मंदिर, उपाश्रय, धर्मशालाएँ, गेस्ट हाऊस, ट्रेवल सर्विसेस के अलावा जैन धर्म के मूल सिद्धान्तों को दर्शाया जावेगा, ताकि आम दर्शक जैन धर्म के बारे में जान सकें।

जेस फाउण्डेशन के महासचिव इंजी. राजेन्द्र सिंह जैन को ट्रेड फेयर हेतु सर्वसम्मति से चेयरमैन नियुक्त किया गया है, साथ ही ट्रेड फेयर के सफल संचालन हेतु विभिन्न कमेटीयों बनाई गई हैं जिनमें चेयर परसन नियुक्त किये गये हैं।

- | | | |
|------------------------|---|---|
| डॉ. श्री डेविस जैन | — | चेयरमैन वेलकम एवं रिशेप्शन कमेटी |
| सी.ए. श्री राजेश जैन | — | चेयरमैन फायनेन्स कमेटी |
| श्री कमलेश सोजतिया | — | चेयरमैन वित्त प्रबंधन |
| श्री शिव सिंह मेहता | — | मार्केटिंग एवं सेल्स कमेटी |
| श्री अनिल भंडारी | — | लिगल कमेटी |
| श्री बी.एस. नागोरी | — | प्रबंधन समिति (एडमिनिस्ट्रेशन कमेटी) |
| इंजी. महेन्द्र पहाडिया | — | फेयर ग्रुप कमेटी |
| श्री सुनील चौरडिया | — | लेक्चर एवं सेमिनार कमेटी |
| श्री राजेन्द्र मेहता | — | फूड झोन कमेटी |
| श्री राजेश जैन | — | प्रेस एवं पब्लिसिटी कमेटी |
| श्री अशोक दोशी | — | जैन पवेलियन कमेटी |
| श्री निकेतन सेठी | — | रजिस्ट्रेशन, रिशेप्शन एवं हेल्प डेस्क कमेटी |

डॉ. (श्रीमती) अनुपमा जैन की थीसिस का विमोचन

डॉ. (श्रीमती) अनुपमा जैन की थीसिस का विमोचन International University of Complimentary Medicines, Colombo द्वारा जोराष्ट्रीय कॉलेज मुम्बई के माध्यम से श्रीमती अनुपमा जैन को उनके शोध प्रबन्ध Transformation of Society : The Jain Way पर 30 जून 2012 को मुम्बई में Ph.D. की उपाधि से सम्मानित किया गया था। इस प्रबन्ध का प्रकाशन डॉ. अजितकुमारसिंह कासलीवाल द्वारा किया गया तथा विमोचन म.प्र. शासन के मंत्री श्री जयन्त मलैया, कुलपति डेम. डॉ. प्रो. मेहर मास्टर मूस (मुम्बई) एवं पूर्व राजदूत डॉ. एन.पी. जैन के करकमलों से 28 अक्टूबर 2012 को सम्पन्न हुआ।

124 पृष्ठीय प्रबन्ध का विमोचन करते हुए मेडम मूस ने कहा कि इस प्रकार के प्रबन्धों के प्रकाशन से समाज में परिवर्तन को दिशा मिलती है। जैन परम्परा का साहित्य सम्पूर्ण विश्व में पहुँचाना हम सबका दायित्व है।

पुस्तक के विमोचन अवसर पर प्रो. ए.ए. अब्बासी, प्रो. पी.एन. मिश्र, प्रो. एन.के. धाकड़, डॉ. मन्मथ पाटनी, डॉ. अजित कासलीवाल एवं शताधिक बुद्धिजीवी, समाज सेवी परिजन एवं पुरजान उपस्थित थे।

सभी ने डॉ. अनुपमा विकास जैन को इस पुस्तक के प्रकाशन पर बधाई दी।

डॉ. अनुपम जैन मानद सचिव

AGENDA 7th National Convention at Pune

January-26, 2013

Day-1

VENUE

YASHADA, Baner Road PUNE

Time Item

8:30

Break- fast , Registration,

10:00-11:30

Welcome & Inaugural address, Introduction of JES – Pune Chapter

11:30- 11:45

Break

11:45- 13:30

Technical session – I, on Theme

13:30- 14:15

LUNCH

14:15- 15:45

Technical session- II, on theme

15:45- 16:00

Break for TEA

16:00- 16:30

Presentation Session by Other Chapters,

17:00

Speech by Founder President / Secretary

17:15

Vote of Thanks

17:30

DINNER

19:30- 22:00

Cultural Evening

January-27, 2013

Day-2

8:00- 8.30

Get Ready & Break- fast

8:30- 11:00

Travel to Mahabaleshwar

11:00- 13:30

Sight Seen at Mahabaleshwar

13:30- 14:30

LUNCH

14:30- 17:30

Sight Seen at Mahabaleshwar & Panchagani

17:30-18:30

Hotel Check In & Dinner

18:30

Dinner Campfire

January-28, 2013

Day-3

9:00- 9.30

Get Ready & Break- fast

10:00

Departure from Mahabaleshwar to

Pune & Departure



JAIN GURUKUL AT ELLORA COMPLETES 50 GLORIOUS YEARS.

Shri Parshvanath Brahamacharya Asharama

(Gurukul), Ellora a well known institution of Jain Samaj engaged in providing education to the poor and underprivileged section of society is completing its 50 glorious years.

The institution had organized grand celebration on 15.12.2012 and 16.12.2012 on the eve of its golden jubilee. The Gurukul management has honored us by specially inviting all the members of Jain Engineers' Society.

We congratulate and feel proud to have such a wonderful institution by Jain Samaj.

ErAmit Jain, PRO, JESA., Ph: +91-9422201537

With best Compliments from :

ITL INDUSTRIES LTD

111, Sector-B, Sanwer Road, Indore, <http://www.itl.co.in>

India's leading Metal Cutting Solution Provider and manufacturer of ERW Tube & Pipes Production Equipments.

भोपाल चेप्टर का स्नेहमिलन कार्यक्रम सम्पन्न

जैन इंजीनियर्स सोसायटी, भोपाल चेप्टर का स्नेहमिलन कार्यक्रम, श्री दिगम्बर जैन कुराणा तीर्थ क्षेत्र नरसिंहगढ़ रोड, भोपाल में दिनांक 28 अक्टूबर 2012 (रविवार) को आयोजित हुआ।

जैन इंजीनियर्स सोसायटी के सभी सदस्यों ने कुराणा तीर्थ क्षेत्र में सामुहिक रूप से अभिषेक एवं पूजन किया। श्री दिगम्बर जैन टी.टी. नगर की युवा मंडल के श्री नितिन जैन, अमित जैन, अंकुर जैन एवं उनकी टीम ने बाध्य-यंत्रों के साथ भक्ताम्बर स्त्रोत का गायन किया। इस भक्ताम्बर स्त्रोत के गायन में जे.ई.एस. के सदस्यों द्वारा भी सामुहिक रूप से भाग लिया गया तथा भजन आदि भी गाये गये। भक्ताम्बर पाठ एवं भजन से वहां उपस्थित सभी सदस्यगण भक्ति में भाव-भिमोर होकर झुमने लगे।

जैन इंजीनियर्स सोसायटी की बैठक का कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती उषा मालु द्वारा मंगलाचरण गाकर किया गया। बैठक में पूणे कानफ्रेन्स में भाग लेने हेतु यात्रा-व्यवस्था आदि पर विस्तृत चर्चा की गई तथा यात्रा प्रभारी इंजी. सुनील जैन तथा गुप के सचिव इंजी. अमिताभ मनयां द्वारा यात्रा एवं रिजर्वेशन तथा ठहरने आदि की जानकारी उपस्थित सभी सदस्यों को गई। गुप के सदस्य इंजी. एम.के.मालु द्वारा कपल गेम खिलवाया गया। सभा के अंत में स्नेह भोज में सभी ने दाल-बाफले एवं लड्डूओं का भरपूर आनंद लिया।



IT WAS THEIR ANNIVERSARY

It was their anniversary, and Aisha was waiting for her husband Rajiv to show up.

Things had changed since their marriage, the once cute couple couldn't-live-without-each-other had turned bitter.

Fighting over every little things, both didn't like the way things had changed.

Aisha was waiting to see if Rajiv remembered it was their anniversary!

Just as the door bell rang she ran to find her husband wet and smiling with a bunch of flowers in his hand.

The two started re-living the old days. Making up for fights, then was d plan for champagne, light music And it was raining outside! It was perfect.

But the moment paused when the phone in the bedroom rang.

Aisha went to pick it up and it was a man. "Hello ma'am I'm calling from the police station. Is this Mr Rajiv Mehra's number?"

"Yes it is!"

"I'm sorry ma'am; but there was an accident and a man died.

We got this number from his wallet; we need you to come and identify his body."

Aisha's heart sank.!!! She was shocked!

But my husband is here with me?"

"Sorry ma'am, but the incident took place at 2 pm, when he was boarding the train."

Aisha was about to lose her conscience.

How could this happen?!

She had heard about the soul of the person coming to meet a loved one before it leaves!

She ran into the other room.

He was not there. It was true! He had left her for good!! Oh

God she would have died for another chance to mend every little fight! She rolled on the floor in pain. She lost her chance!

Forever!

Suddenly there was a noise from the bathroom, the door opened and Rajiv came out and said..... "Darling, I forgot to tell you my wallet got stolen today".

LIFE MIGHT NOT GIVE YOU A SECOND CHANCE. SO NEVER WASTE A MOMENT WHEN YOU CAN STILL MAKE UP FOR YOUR WRONGS!!!

Its the last week of the year so let's start making amends.

To parents To siblings To friends And many more.

No one is promised tomorrow. Have a wonderful Life with no regrets!

This has to be one of the best message!!

Er Niketan Sethi, Indore- 9425060804



Danger of eating White Bread

The Swiss government has been aware of the dangers of eating white bread for decades and in order to get its populace to stop eating it, Switzerland has placed a tax on the purchase of white bread. The tax money is given to bakers to reduce the price of whole wheat bread to encourage people to switch.

The Canadian government passed a law prohibiting the "enrichment" of white bread with synthetic vitamins. Bread must contain the original vitamins found in the grain, not imitations.

Essentially, white bread is "dead" bread. Frequently, consumers are not told the truth about this and so called "enriched" flour.

Why is the color of white bread so white when the flour taken from wheat is not?

It's because the flour used to make white bread is chemically bleached, just like you bleach your clothes. When you are eating white bread, you are also eating residual chemical bleach. Flour mills use different chemical bleaches, all of which are pretty bad.

Here are a few of them: oxide of nitrogen, chlorine, chloride, nitrosyl and benzoyl peroxide mixed with various chemical salts.

One bleaching agent, chloride oxide, combined with whatever proteins are still left in the flour, produces alloxan. Alloxan is a poison and has been used to produce diabetes in laboratory animals.

Chlorine oxide destroys the vital wheat germ oil. It will also shorten the flour's shelf life.

Good Nutrition: You won't find it In White Bread In the process of making flour white, half of the good unsaturated fatty acids, that are high in food value, are lost in the milling process alone, and virtually all the vitamin E is lost with the removal of wheat germ and bran.

As a result, the remaining flour in the white bread you buy, contains only poor quality proteins and fattening starch. But that is not the whole story as to the loss of nutrients.

Scientific Study Has Confirmed What The Swiss Have Known For Years These horrific numbers are the results of a study run by the University of California, College of Agriculture. It is obvious, from what we have learned, that white bread should be avoided.

Whole wheat, rye and grain breads made with whole wheat flour is a better way. It is a good idea to always read the labels and never buy foods that contain artificial flavors, colors, bleached flour, preservatives, hydrogenated or partially hydrogenated oils.

Er Pankaj Jain Jhansi



The emerging trends and concerns for India about housing problem.

The population of India as per 2001 Census is 1,027 million (Approx. 122 Cr in 2011), out of which

27.8 percent live in urban areas. India's National Report for Habitat estimated that by 2021, the country would face a housing shortage of 44.9 million units. It is estimated that for urban housing alone, the housing shortage is about 7.57 million units. At the same time, the available land is limited. Already many cities are growing at an alarming rate and agricultural lands are being converted to plots for buildings. If it continues, India will face a painful food crisis. Already Chennai is facing problems of getting food products from far off places. The only solution to solve all these problems is to go in for high rise buildings. Already More than 2500 high-rise buildings are already constructed in Mumbai Metropolitan Region (MMR). In addition more than thousand mid-rises exists already in the city. Mumbai is undergoing a massive construction boom, with thousands of high-rises and more than 15 super-talls under construction. Delhi and its surrounding regions are witnessing huge construction activities with 1500 already constructed high-rises in National Capital Region (NCR). Kolkata is emerging as India's next skyscraper city with 600 existing high rises and many more under construction [www.emporis.com] Hyderabad & Bangalore are also catching up and soon will match up with a city like Mumbai. High-rises are also becoming common in Chennai in recent times after the removal of height restrictions on constructions (height was restricted to 40 m until 1998). Many well known Builders of Mumbai (e.g. Hiranandani, Kalpataru) are now constructing high rises in the OMR area of Chennai. Many thought that the terrorist attacks on WTC towers on Sept. 11, 2011 will dampen the construction of tall buildings all over the world. But on the contrary several super-tall buildings are being constructed all over the world, and India is not an exception (Now China has more super-tall towers than in USA). **The Imperial Towers 1 & 2, completed in 2010 at Mumbai, with a height of 254m (833 ft) are the current tallest buildings in India and much taller buildings are in the offing.**

Such high rise buildings have to be planned, designed, constructed, and maintained properly. Though the analysis of these structures can be done easily with the available commercial software programs, other aspects need careful study. Unlike low rise structures, high rises may be more affected due to accidental loads. The wind loads may be affected by the configurations. Different structural systems have to be adopted for resisting wind loads effectively. Wind tower testing may be necessary to accurately determine the wind loads. Similarly earthquake as well as blast loads (due to the increased terrorist activities throughout the world) also need careful analysis, design and detailing. The construction of columns may need very high strength concrete which at the same time need to behave in a ductile manner (Interestingly reinforced/pre-stressed concrete is the choice for most of the recent high rise buildings). Vertical Transportation, as well as designing of transportation around the buildings and cleaning of windows of tall buildings also require attention. Water and Energy requirements may also pose problems

Pankaj jain BHEL, Jhansi

आशा मत करो, निर्णय लो

एक दोस्त की अगवानी करने में एयरपोर्ट पहुँचा था, जहाँ हुए अनुभव ने मेरी सोच को ही बदल दिया।

आगंतुकों की भीड़ में दोस्त को खोजते मेरी नजर एक व्यक्ति पर पड़ी, दो सूटकेस संभालते हुए मेरी दिशा में ही आ रहा था और ठीक मेरे करीब रुक गया। सामान उतार कर वो तेजी से एक बच्चे (लगभग 6 वर्ष का) की ओर बढ़ा और उसे लिपटा लिया। बोला, 'मुझे तुम्हारी बहुत याद आई, मिल कर कितना खुश हूँ मैं।' बेटा बोला, 'डेडी, मुझे भी आपकी कमी अखरी।' तत्पश्चात् वो व्यक्ति अपने नौ-दस वर्षीय बेटे की आर बढ़ा और उसे अपने आगोश में भर लिया। 'कैसे हो नौजवान, मैं तुम्हें बहुत प्यार करता हूँ।' पिता-पुत्र देर तक आलिंगन में बंधे रहे।

जब पिता से दोनो पुत्रों का मिलन चल रहा था तब एक-डेढ़ साल की बच्ची अपनी माँ की बाँहों से छूटने के लिए मचल रही थी। उसकी निगाहें अपने पिता पर टिकी थीं और जब तक उसे पिता ने गोद में नहीं ले लिया, तब तक उसकी बच्चेनी कम नहीं हुई। पिता ने बिटिया के गाल पर कई चुंबन दिए और फिर सीने से लगा लिया। कुछ देर बाद बड़े पुत्र का कहा कि वो बच्ची को गोद में ले, और खुद पत्नी की ओर बढ़ा। 'सर्वश्रेष्ठ आलिंगन तुम्हारे लिए बचा कर रखा था।' इतना कह कर पत्नी को अपनी बाँहों में ले कर चुंबन दिया। बोला, मैं तुम्हें बेहद चाहता हूँ।' दोनों देर तक एक-दूसरे को निहारते रहे।

तीन-तीन बच्चों को देख रहा था, इसलिए मेरा यह अनुमान गलत था कि वो दोनों नवविवाहित थे। बिना शर्त के इस प्रेम प्रदर्शन ने मुझे असमंजस में डाल दिया था। अनजान के प्रति भी बरबस मेरे मुँह से निकल गया, "आपके विवाह को कितने वर्ष हुए?" उसने जवाब दिया, 'हम चौदह वर्ष से साथ हैं पर शादी को बारह वर्ष हो गए।' मैंने फिर सवाल किया, "ओह, तो अभी आप कितने वर्ष से बाहर थे?" उस व्यक्ति ने मेरी आर देखते हुए जवाब दिया, "पुरे दो दिनों से"। यह सुनकर मैं सन्नाटे में आ गया। स्वागत और परस्पर प्यार देखकर मुझे लगा था कि वो व्यक्ति महीनों बाद परिवार से पास लौटा है। मुझे ही क्यों, आप देखते तो आपको भी यही लगता। उस परिवार के निजी क्षणों में और दखल न देने के उद्देश्य से मैं अपने दोस्त को देखने का बहाना करते-करते अचानक बोल गया, "मैं आशा करूँगा कि बारह साल बाद मेरा प्यार भी इतना ही तरोंताजा रहें।"

मेरी बात कान में पड़ते ही वो व्यक्ति ठिठका और अपनी मुस्कुराहट पर ताला लगाते हुए बोला, "दोस्त, आशा मत करो, निर्णय लो। ईश्वर तुम्हारा साथ दें।" इतना कह कर वो अपने परिवार के साथ निर्गम द्वार की ओर बढ़ गया।

मैं ठगा सा उस सुखी परिवार को देखता रहा। मुझे कितने सरल शब्दों में जीवन भर का एक बड़ा सबक मिल गया था। उस बात ने मेरी आत्मा को छू लिया और शायद एक अलग इंसान बना दिया। कुछ क्षणों बाद जब मेरा दोस्त अपना सामान लिए मेरे पास आया तो मुझे बोला, "इतने बेखबर हो कर आखिर क्या देख रहे हो?"

"मेरा अपना भविष्य", जवाब था मेरा।

सौजन्य - स्वयं उत्थान, इन्दौर

Answer of Puzzle Point # 20 : "Mission Impossible"

Puzzle Point # 20: I am on a mission to a city which is 120 kms. deep in desert. I have to travel by feet only to reach there. I can travel 30 Kms/day & can carry ration for 5 days.

Suggest me the minimum number of people, including me, that I will need in a group so that I can reach there, stay overnight & return back without running out of ration.

Answer : Total 4 persons (including me) required.

Here, 4 person can carry total ration for 20 days. (4X5)

1) On 1st Day : 4 days of rations are consumed by all 4 people. Send back 1 person with 1 day ration for his return trip. Now, ration for 15 days is available.

2) On 2nd Day : 3 days of rations are consumed by rest of 3 people. Send back 1 person again with 2 day ration for his return trip. Now, ration for 10 days is available.

3) On 3rd Day : 2 days of rations are consumed by rest of 2 people. Send back 1 person again with 3 day ration for his return trip. Now, ration for 5 days is available.

4) On 4th Day : 1 days of rations are consumed by rest of me and will reach there, stay overnight and return back with 4 days ration.

Correct answers are received from following participants.

Puzzle Point # 20 : Names are displayed in order of answer received.

Sr.No	Name of Participants	Global ID No.	City
1	No correct answer		

Pl. write your Name, G.ID No., Organization, City, etc. while sending your answer. Such details will help us to identify you and compilation of correct participants for displaying their name.

Puzzle Point # 21

Date : 20/12/2012

Jain Engineers Society News

Puzzle Master : Er. M P Shah, GNFC, Bharuch, Gujarat.

Sisbros
A family has several children. Each boy in that family has as many sisters as brothers but each girl has twice as many brothers as sisters. How many brothers and sisters are there?

Send answer to cmpshah@gmail.com (B4 07/01/13)

एक लोक कथा है। गंगू नामक एक व्यक्ति वर्षों तक विष्णु की उपासना करता रहा। एक दिन विष्णु ने प्रकट होकर कहा—बता तुझे किस वस्तु को चाह है? क्या तुझे धन चाहिए?

गंगू ने निवेदन किया—नहीं भगवन् ! धन नहीं चाहिये।

विष्णु ने कहा—क्या तुझे ऐश्वर्य की चाह है ?

गंगू ने पुनः निवेदन किया—भगवन् ! ऐश्वर्य को पा करके भी कोई व्यक्ति चिरकाल तक जीवित नहीं रह सकता।

विष्णु ने कहा—क्या तुम्हारे मन में शक्ति प्राप्त करने की इच्छा है ?

गंगू ने प्रार्थना की—शक्ति को पाकर मानव के अन्तर्मानस में अहंकार समुत्पन्न हो जाता है, और जब अहंकार समुत्पन्न हो जाता तो उसका पतन निश्चित है।

विष्णु ने पुनः कहा—क्या गंगू तेरी इच्छा सम्पूर्ण पृथ्वी पर शासन करने की है?

गंगू ने कहा—मेरा तन इतना मोटा है कि ऐसे ढोना भी मेरे लिए कठिन हो गया है तो पृथ्वी के भार को मैं कैसे ढो पाऊँगा ?

विष्णु परेशान हो गये। अन्त में उन्होंने खीझ कर कहा—यह भी नहीं चाहिए, वह भी नहीं चाहिये तो फिर बता तुझे क्या चाहिये?

गंगू ने कहा—यदि आप प्रसन्न ही हैं और मुझे वरदान प्रदान करना ही चाहते हैं तो यह वरदान दीजिए कि मैं नेता बन जाऊँ।

विष्णु ने सुना और उन्होंने तथास्तु कह दिया। वे मन ही मन मुस्कराये कि नेता बनने की धुन में इसने अन्य सभी वरदान ठुकरा दिये।

प्रशंसा मीठा जहर है

— आचार्य श्री देवेन्द्र मुनि जी म.

फ्लारेंस दोनातेल्लो एक मूर्तिकार था। वह नित नयी मूर्तियाँ बनाता था। आलोचक उसकी मूर्तियों की आलोचना समय-समय पर किया करते थे। एक बार उसे पीसा का आमंत्रण मिला। वह वहाँ पहुँचा। उसने मूर्तियाँ बनायीं। उसकी मूर्तियों की पीसा निवासियों ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। जब उसका प्रथम कार्य सम्पन्न हो गया, तब उसने पीसा में अगली मूर्तियों का कार्य नहीं लेने का निश्चय किया।

एक मित्र ने उससे पूछा—फ्रांस में तुम्हारी मूर्तियों की जमकर आलोचना होती रही, पर यहाँ तो सभी तुम्हारी मूर्तियों की प्रशंसा कर रहे हैं। फिर भी तुम यहाँ कार्य करने से क्यों कतरा रहे हो?

दोनातेल्लो ने उत्तर में कहा—मित्र, मुझे इस बात का भय लग रहा है कि यहाँ के लोगों के मुखारविन्द से अपनी प्रशंसा सुन-सुनकर मेरी कला का विकास कहीं अवरुद्ध न हो जाये। फ्लारेंस (फ्रांस) में आलोचक महोदय मेरी आलोचना करते रहे जिसके फलस्वरूप मैं जागरूक होकर अपनी कला को निखारने में निरन्तर लगा रहा। प्रशंसा मीठा जहर है और प्रगति का बाधक है इसलिये मैं आलोचकों के बीच बैठकर अपनी कलाकृतियों को अधिकाधिक निखारने का प्रयास करूँगा।

जीतने की कला

— आचार्य श्री देवेन्द्र मुनि जी म.

एक बार एक जाट काशी पहुँचा। उसने सुना काशी विद्वानों की नगरी है। यहाँ पर दिग्गज विद्वान् रहते हैं। वह कई दिनों तक काशी में रहा। जब वह अपने गाँव पहुँचा तब माँ ने पूछा — बेटा! तूने काशी में बहुत दिन लगाए। क्या बात है?

उस लड़के ने कहा — माँ! मैंने काशी के सभी पण्डितों को पराजित कर दिया।

माँ ने पूछा — बेटा! काशी में कितने पण्डित थे?

माँ ! कम से कम पाँच सौ पण्डित होंगे।

माँ ने पूछा — क्या वे सभी विद्वान् थे?

लड़के ने कहा — वे सभी बहुत बड़े विद्वान् थे। एक — एक से बढ़कर। उन सबको जीतना बहुत ही टेढ़ी खीर थी, पर मैंने सबको पराजित कर दिया।

माँ ने पूछा — दो—चार विद्वान् तो रह ही गए होंगे।

नहीं माँ ! एक भी विद्वान् नहीं रहा।

माँ ने कहा — वत्स! तू पढ़ा—लिखा नहीं है फिर इन विद्वानों को तूने कैसे परास्त किया?

लड़के ने कहा — माँ मुझे जीतने की ऐसी कला याद है जो सारे विद्वान् पराजित हो गए। मैंने उस कला का प्रयोग किया।

माँ ने पूछा — अरे, वह कला कौन—सी है?

लड़के ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा — मैंने किसी विद्वान् की बात

नहीं सुनी। मैं एक ही बात दोहराता रहा कि तुम सब झूठे हो, मैं ही सच्चा हूँ



9 Surprising benefits if you sleep well

If you're getting less than the recommended seven or eight hours of sleep a night, here are nine reasons that you should shut down your computer, turn off the lights, and go to bed an hour early tonight.

1. Better health.
2. Better relations with spouse
3. Less pain. If you have chronic pain -- or acute pain from a recent injury -- getting enough sleep may actually make you hurt less. Many studies have shown a link between sleep loss and lower pain threshold. Unfortunately, being in pain can make it hard to sleep. Researchers have found that getting good sleep can supplement medication for pain. If pain is keeping you up at night, there are also medications available that combine a pain reliever with a sleep aid.
4. Lower risk of injury. Sleeping enough might actually keep you safer. Sleep deprivation has been linked with many notorious disasters, like the destruction of the space shuttle Challenger and the grounding of the Exxon Valdez. The Institute of Medicine estimates that one out of five auto accidents in the U.S. results from drowsy driving -- that's about 1 million crashes a year. Of course, any kind of accident is more likely when you're exhausted, says Jodi A. Mindell, PhD, a professor of psychology at St. Joseph's University in Philadelphia and author of Sleep Deprived No More. "When you're overtired, you're more likely to trip, or fall off a ladder, or cut yourself while chopping vegetables," she says. "Household accidents like that can have serious consequences."
5. Better mood.
6. Better weight control.
7. Clearer thinking.
8. Better memory.
9. Stronger immunity.

Mr Alok Tholiya , Mumbai

A story

A man found a cocoon of a butterfly.

One day a small opening appeared.

He sat and watched the butterfly for several hours as it struggled to squeeze its body through the tiny hole.

Then it stopped, as if it couldn't go further.

So the man decided to help the butterfly.

He took a pair of scissors and snipped off the remaining bits of cocoon. The butterfly emerged easily but it had a swollen body and shriveled wings.

The man continued to watch it, expecting that any minute the wings would enlarge and expand enough to support the body.

Neither happened!

In fact the butterfly spent the rest of its life crawling around. It was never able to fly.

What the man in his kindness and haste did not understand:

The restricting cocoon and the struggle required by the butterfly to get through the opening was a way of forcing the fluid from the body into the wings so that it would be ready for flight once that was achieved.

Sometimes struggles are exactly what we need in our lives.

Going through life with no obstacles would cripple us.

We will not be as strong as we could have been and we would never fly

Shri Motilal Oswal, Mumbai.

इस पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों, संकलन एवं विचारों के लिए लेखक/प्रेषक/संकलनकर्ता स्वयं उत्तरदायी है, सम्पादक एवं सम्पादक मण्डल का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। पत्रव्यवहार के लिए पता— जैन इंजीनियर्स सोसायटी, मनोप्रेम 144, कंचन बाग, इन्दौर-452002 (भारत)
फोन: 0731-3044602 E-mail:jainengineers@eth.net, Website- www.jainengineerssociety.com

BOOK-POST
PRINTED MATTER

RNI : MPBIL/2004/13588
डाक पंजी. क्रं आयडीसी/डिबीजन/1130/2013-15

TO,

If undelivered, please return to :

Jain Engineers' Society, 144, Kanchan Bagh, Indore 452001 (M.P.)

Owned & Published by Rajendra Singh Jain From 144, Kanchan Bagh, Indore (M.P.) & Printed by Nirmal Graphics Press, 340, Nayapura, Indore (M.P.)

Editor - Er. Rajendra Singh Jain